भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता

प्रिलिम्स के लिये:

भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता, भारत-अफ्रीका व्यापार

मेन्स के लिये:

भारत अफ्रीका संबंध और समझौते, भारतीय अर्थव्यवस्था में अफ्रीका का महत्त्व।

चर्चा में क्यों?

दूसरा **भारत-अफ्रीका रक्षा संवाद (IADD)** गुजरात के गांधीनगर में डेफएक्सपो 2022 के मौके पर आयोजित किया गया था।

भारत-अफ्रीका रक्षा वार्ता:

- **थीम:**
  - रक्षा और सुरक्षा सहयोग में तालमेल और सुदृढ़ीकरण के लिये रणनीति अपनाना।
- **परिणाम दस्तावेज़:**
  - गांधीनगर घोषणा को IADD 2022 के परिणाम दस्तावेज़ के रूप में अपनाया गया था।
  - यह आपसी हित के सभी क्षेत्रों में प्रशिक्षण में सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव करता है:
    - प्रशिक्षण स्लॉट और प्रशिक्षण टीमों की प्रतिनियुक्ति बढ़ाना।
    - अफ्रीका के रक्षा बलों का सशक्तीकरण और क्षमता निर्माण।
    - अभ्यास में भागीदारी।
    - प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानवीय सहायता प्रदान करना।
  - भारत-अफ्रीका रक्षा सहयोग पर एक खंड भी जारी किया गया।
- **भारत-अफ्रीका सुरक्षा फैलोशिप कार्यक्रम:**
  - IADD ने अफ्रीकी देशों के विशेषज्ञों को फेलोशिप की पेशकश के माध्यम से सुरक्षा मुद्दों संबंधो अनुसंधान को भी प्रोत्साहित किया।
  - यह भारत-अफ्रीका सुरक्षा फैलोशिप कार्यक्रम के तहत किया जाएगा।

अफ्रीका के साथ भारत के संबंध:

- **ऋण और सहायता:**
  - भारत ने अफ्रीका को **3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक का रियायती ऋण दिया है।**
  - इसके अलावा भारत ने 700 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अनुदान सहायता प्रदान की है।
- **परियोजनाएँ:**
  - भारत ने अब तक **197 परियोजनाएँ पूरी कर ली हैं,** वर्तमान में 65 निष्पादन के अधीन हैं और 81 पूर्व-निष्पादन चरण में हैं। ।
  - गाम्बिया में भारत ने नेशनल असेंबली भवन का निर्माण किया है और जल आपूर्ति, कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण में परियोजनाएँ शुरू की हैं।
  - जाम्बिया में भारत की महत्त्वपूर्ण जल-विद्युत परियोजना, पूर्व-निर्मित स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण और वाहनों की आपूर्ति शामिल है।
  - **मॉरीशस** में हाल की उल्लेखनीय परियोजनाओं में मेट्रो एक्सप्रेस, नया सर्वोच्च न्यायालय भवन और सामाजिक आवास शामिल हैं।
  - **नामीबिया** में IT हेतु एक नया उत्कृष्टता केंद्र अभी चालू हुआ है।
  - जबकि दक्षिण सूडान में भारत प्रशिक्षण और शिक्षा पर ध्यान दे रहा है।
- **कोविड- 19 सहायता:**
  - 32 अफ्रीकी देशों को भारत से 150 टन की चिकित्सा सहायता मिली।
    - उनमें से कई देशों ने भारत से सीधे या अन्यथा प्राप्त **'मेक इन इंडिया'** टीकों का भी उपयोग किया।
    - अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने TRIPS छूट के माध्यम से टीकों के लिये न्यायसंगत और सस्ती पहुँच हेतु दबाव बनाने के लिये

मिलकर काम किया है।

- **मानव संसाधन:**
  - भारत ने वर्ष 2015 में भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन (आईएएफएस)-III के दौरान 50,000 छात्रवृत्तियों की घोषणा की थी, जिसमें से 32,000 से अधिक छात्रवृत्ति स्लॉट का पहले ही उपयोग किया जा चुका है।
  - भागीदारों को उच्च गुणवत्ता वाली **आभासी शिक्षा** और चिकित्सा सेवाएँ प्रदान करने के लिये **ई-विद्या भारती** तथा **ई-आरोग्य भारती** नेटवर्क को क्रमशः **टेली-एजुकेशन** एवं **टेली-मेडिसिन** के लिये वर्ष 2019 में लॉन्च किया गया था।
- **राहत एवं सहायता:**
  - वर्ष 2019 में **चक्रवात** इदाई से प्रभावित मोजाम्बिक की सहायता के लिये ऑपरेशन सहायता, जनवरी 2020 में मेडागास्कर में बाढ़ पीड़ितों को राहत प्रदान करने के लिये **ऑपरेशन वनीला,** वाकाशियो जहाज़ की ग्राउंडिंग के कारण **तेल रिसाव** को रोकने में मॉरीशस को सहायता।
- **ऊर्जा:**
  - **अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन** एक उल्लेखनीय मंच है जिसने **स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों** के तीव्र विकास को बढ़ावा दिया है।
  - इसके बाद सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा को और बढ़ावा देने के लिये **'वन सन वन वर्ल्ड वन ग्रिड'** पहल की शुरुआत की गई है।
  - हाल के वर्षों में भारत, अफ्रीका में विकास कार्यक्रमों के साथ-साथ तीसरे विश्व के देशों के सहयोग कार्यक्रमों में भी प्रमुख भागीदार रहा है।
- **व्यापार एवं अर्थव्यवस्था:**
  - वर्ष 2021-22 में अफ्रीका के साथ भारत का द्विपक्षीय व्यापार पिछले वर्ष के 56 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में 89.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया है।
  - वर्ष 1996-2021 तक 73.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के संचयी निवेश के साथ भारत अफ्रीका में निवेश करने वाले शीर्ष पाँच निवेशकों में शामिल है।
  - शुल्क मुक्त टैरिफ वरीयता (DFTP) योजना, जो भारत की कुल टैरिफ लाइनों के 98.2% तक शुल्क मुक्त पहुँच प्रदान करती है, के माध्यम से भारत ने अफ्रीकी देशों के लिये अपना बाज़ार खोल दिया है।
  - अब तक 33 LDC अफ्रीकी देश इस योजना के तहत लाभ पाने के हकदार हैं।

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2016)

1. वर्ष 2015 में होने वाला आयोजन तीसरा शिखर सम्मेलन था।
2. वास्तव में यह वर्ष 1951 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा शुरू किया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन भारत और अफ्रीकी देशों के बीच संबंधों को फिर से शुरू करने का एक मंच है।
- इसकी शुरुआत वर्ष 2008 में नई दिल्ली में हुई थी। तब से शिखर सम्मेलन प्रत्येक तीन वर्ष पर बारी-बारी से भारत और अफ्रीका में आयोजित किया जाता है। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- दूसरा शिखर सम्मेलन वर्ष 2011 में अदीस अबाबा में आयोजित किया गया था। तीसरा शिखर सम्मेलन वर्ष 2014 में होने वाला था लेकिन इबोला के प्रकोप के कारण स्थगित कर दिया गया था तथा अक्तूबर 2015 में नई दिल्ली में आयोजित हुआ था। **अत: कथन 1 सही है।**

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

प्रश्न. उभरते प्राकृतिक संसाधन समृद्ध अफ्रीका के आर्थिक क्षेत्र में भारत अपना क्या स्थान देखता है? **(2014)**

प्रश्न. अफ्रीका में भारत की बढ़ती रुचि के अपने सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। **(2015)**

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-africa-defence-dialogue